आर्थिक वृद्धि दर 8.5% रहने के आसार

आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में 2021-22 के लिए आर्थिक सर्वे पेश किया। इसमें अनुमान जताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष में आठ से 8.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। साथ ही महंगाई दर भी काबू में रहने की उम्मीद जताई गई है।

आर्थिक सर्वे के अनुसार, वित्तवर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि का यह लक्ष्य तभी हासिल हो सकता है जब कोई महामारी संबंधी आर्थिक व्यवधान नहीं आए। साथ ही कहा गया कि मानसून सामान्य रहेगा और कच्चे तेल की कीमतें 70-75 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहेंगी। सरकार का मानना है कि तेज टीकाकरण, आपूर्ति व्यवस्था में सुधारों के साथ ही अर्थव्यवस्था भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए उम्मीद जताई गई है कि आर्थिक वृद्धि दर 9.2% रहेगी। ये आंकड़ा महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले सुधार के संकेत है। आपूर्ति पक्ष के बेहतर प्रबंधन और ईंधन शुल्क में कटौती के चलते चालू वित्त वर्ष में अभी तक कीमतें काफी हद तक नियंत्रित रही हैं। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि आयातित खाद्य तेल और दालों की मुद्रास्फीति ने इन उत्पादों की कीमतों को बढ़ा दिया, जिसे सरकार ने सक्रिय उपायों से नियंत्रित किया।

➤ रोजगार के मौके पेज 13

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज बजट पेश करेंगी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को संसद में वित्त वर्ष 2022-23 का आम बजट पेश करेंगी। कोरोना महामारी और अर्थव्यवस्था में मजबूती लाने की चुनौती के बीच पेश होने जा रहे बजट में टैक्स छूट, बचत सीमा में बढ़ोतरी और स्वास्थ्य समेत अन्य बड़ी घोषणाएं होने की उम्मीद है। नौकरीपेशा करदाताओं को भी कई सौगातें मिल सकती हैं।

➤ ब्योरा पेज 13